बैंक की गृह पत्रिका - "आवास भारती" को वर्ष 2012-13 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से प्रथम पुरस्कार

राष्ट्रीय आवास बैंक अपने स्थापना काल से ही भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए कटिबद्ध रहा है। बैंक का सदैव से यह प्रयास रहा है कि प्रेरणा और प्रोत्साहन की नीति अपना कर बैंक में हिंदी के प्रयोग को उत्तरोत्तर बढ़ाया जाए। अपने इन प्रयासों में बैंक को आशातीत सफलता मिली है।

भारत सरकार की राजभाषा नीति को बढ़ावा देने के उद्देश्य के तहत प्रत्येक संस्थान को राजभाषा हिंदी में गृह पत्रिका के प्रकाशन को प्रोत्साहित किया है, ताकि इन पत्रिकाओं के माध्यम से संस्थानों के कार्यपालकगण हिंदी भाषा में अपनी रचनात्मकता एवं विचारशीलता को अभिव्यक्त कर सकें।

इसी क्रम में भारतीय रिजर्व बैंक का प्रधान कार्यालय अखिल भारतीय स्तर पर सभी बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के लिए **द्विभाषी** तथा **गृह पत्रिका** की दो श्रेणियों में प्रतियोगिता आयोजित करता है। इसमें देश भर के सभी बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों की द्विभाषी एवं गृह पत्रिकाएं शामिल की जाती हैं।

यह बडे हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय आवास बैंक की गृह पत्रिका- "आवास भारती" ने भारतीय रिजर्व बैंक की अखिल भारतीय गृह पत्रिका प्रतियोगिता वर्ग में लगातार दूसरे वर्ष 2012-13 के लिए भी प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है और इससे पूर्व में वर्ष 2011-12 में प्रथम तथा वर्ष 2010-11 में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया है।